

लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी ऐनिक



# प्रभात

सीधी बात - सच्ची बात



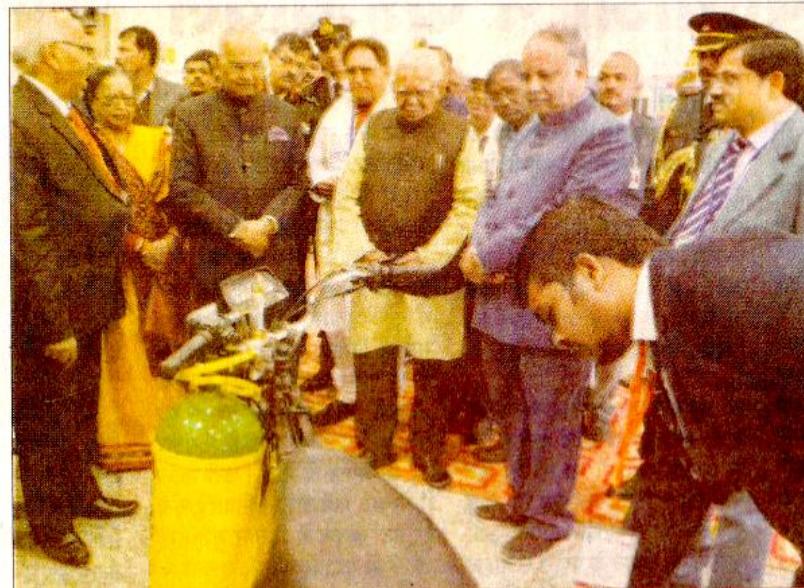
सुख की तरलती में इतना  
जलत लगा हो कि किसी  
दूसरे की मुराई का जल  
ही न भिजे।

## प्रभात

लखनऊ, बंगलवार, 19 दिसम्बर 2017

## राजधानी 03

### एसएमएस के खोज की राष्ट्रपति ने की तारीफ



हवा से चलने वाली बाइक को निहारते राष्ट्रपति

लखनऊ : प्रभात

हवा से चलने वाली बाइक के अविष्कार के लिए एस.एम.एस. को राष्ट्रपति से प्रशंसा व भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय से प्रशंसा

पुरस्कार मिला है।

विदित हो कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गयी थी। जिसका उद्घाटन राष्ट्रपति महोदय राम

नाथ कोविंद द्वारा ने 15 दिसम्बर को किया था। एस.एम.एस. के महा निदेशक, डा. भरत राज सिंह के देख-रेख में बनाए गए चार प्रोजेक्ट हवा से चलने वाली बाइक का संशोधित माडल, सोलर साइकिल का उन्नत माडल, साइकिल के पावदान से चलने वाली वाशिंग मशीन और भारत सरकार के स्वच्छता अभियान के तहत कूड़ा व टुकड़े उठाने वाली रोबोटिक मशीन इंस्टिट्यूट के छात्रों द्वारा प्रदर्शित किये गए।

राष्ट्रपति ने एयर-ओ-बाइक की उन्नत माडल को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की थी तथा डा. भरत राज सिंह व छात्र समर्पित वर्मा को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में आने के लिए निमंत्रण भेजने का आश्वासन भी दिया। इसके अलावा सोलर साइकिल जो कि डा. भरत राज सिंह व छात्र विवेक मिश्रा द्वारा तैयार की गयी है। पावदान से चलने वाली वाशिंग मशीन और कूड़ा व टुकड़े उठाने वाली रोबोटिक मशीन जो छात्र अर्जुन कुमार मौर्या व उत्कर्ष कुमार शर्मा तथा डा. रघुवीर कुमार के देख रेख में तैयार की गयी है। राष्ट्रपति ने सभी अविष्कारों के लिए प्रशंसा किया और साधुवाद दिया। हवा से चलने वाली बाइक को प्रथम पुरस्कार से चयन कर 10,000 रुपये से पुरस्कृत किया गया।